aglasem.com

FOR MP CPCT EXAM PREPARATION

MP CPCT 2017 Question Paper · Hindi Typing

EXAM	YEAR	TYPE	SUBJECT	DATE
MP CPCT	2017	Question Paper	Hindi Typing	25 Nov 2017

SHIFT
Shift 2

cpct

Notations :

1. Options shown in green color and with ✔ icon are correct.
2. Options shown in red color and with ✖ icon are incorrect.

Question Paper Name:	Remington Gail 25th Nov 2017 Shift 2
Subject Name:	Remington GAIL
Creation Date:	2017-11-21 14:32:46
Duration:	25
Calculator:	None
Magnifying Glass Required?:	No
Ruler Required?:	No
Eraser Required?:	No
Scratch Pad Required?:	No
Rough Sketch/Notepad Required?:	No
Protractor Required?:	No

Mock

Group Number :	1
Group Id :	20620570
Group Maximum Duration :	10
Group Minimum Duration :	10
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	1
Mandatory Break time:	Yes
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	206205106
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	206205106
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 1 Question Id : 206205745 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

बहुत समय पहले की बात है हिमालय के जंगलो में एक बहुत ताकतवर शेर रहता था एक दिन उसने बारासिंघे का शिकार किया और खाने के बाद अपनी गुफा को लौटने लगा अभी उसने चलना शुरू ही किया था कि एक सियार उसके सामने दंडवत करता हुआ उसके गुणगान करने लगा।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Remington
Show Details Panel: Yes
Show Error Count: Yes
Highlight Correct or Incorrect Words: Yes
Allow Back Space: Yes
Show Back Space Count: Yes

Actual

Group Number :	2
Group Id :	20620571
Group Maximum Duration :	15
Group Minimum Duration :	15
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	0
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	206205107
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	206205107
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 2 Question Id : 206205746 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

आज के युग में प्रदूषण नियंत्रण एक बहुत विशाल समस्या के रूप में हमारे सामने है जिससे निपटने की हर भरसक प्रयास, हम हर स्तर पर कर रहे हैं। वो चाहे पीने का पानी हो, खेती के लिए जमीन हो, या फिर बहती हवा हो, प्रदूषण ने हर जगह अपने पैर पसार लिए हैं। जिसकी वजह से हम चाहे किसी भी उम्र में क्यों ना हों, हम में से ज्यादातर लोग किसी ना किसी बीमारी से जरूर ग्रसित है, जिसका सीधा कारण प्रदूषण है। हालांकि बीते वर्षो में वैश्विक स्तर पर प्रदूषण नियंत्रण के लिए कई ठोस कदम उठाए गए हैं, जिनमें सौर उर्जा ने सबसे प्रत्यक्ष संकेत दिखाए हैं। किसी भी देश को अपने विकास की गति को बरकरार रखने के लिए उर्जा की जरूरत होती है, जिस उर्जा को पैदा करने के लिए काफी प्राकृतिक संसाधनों की जरूरत होती है, जो की विपुल पैमाने पर प्रदूषण करते हैं। लेकिन जब इसी उर्जा की भरपाई हम सौर उर्जा की मदद से करने लगते है तो इससे प्रदूषण में काफी हद तक गिरावट आ जाती है। अगर हम भारत की ही बात करें तो डाटा के हिसाब से बीते तीन सालों में भारत में सौर उर्जा का उत्पादन अपेक्षित क्षमता से चार गुना ज्यादा किया गया है जो की अपने आप में एक उपलब्धि है। दुनिया में अमेरिका और चीन के बाद बिजली की सबसे ज्यादा खपत भारत में होती है, हालांकि भारत में आज भी 30 मिलियन से ज्यादा लोग बिजली की सुविधा से वंचित है। अगर भारत में सौर्य उर्जा के भविष्य की बात करें तो दिन-बा-दिन इसकी मांग शहरी के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में भी काफी ज्यादा हो रही है। वही विशेषज्ञों का मानना है की 2035 तक भारत में सौर उर्जा की मांग सात गुना तक वृद्धि हो सकती है यही वजह है की सौर उर्जा की कई विदेशी कंपनियों की निगाहें अब भारत पर टिकी हुई है। अगर वैश्विक स्तर पर सौर उर्जा के उत्पादन की बात करें तो भारत सालाना 8, 727 मेगावाट के उत्पादन के साथ छठे स्थान पर है। पहले तो सिर्फ घरेलू जरूरतों के लिए सौर उर्जा का इस्तेमाल होता था, लेकिन अब स्ट्रीट लाइट, सरकारी कार्यालय और परिवहनों में भी सौर उर्जा को इस्तेमाल शुरू हो चुका है। सौर उर्जा को बिजली के एक विकल्प के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है जिसे ध्यान में रखते हुए भारत सरकार भी सौर उर्जा के इस्तेमाल के लिए लोगों को जागरूक कर रही है। शहर के साथ-साथ अब गावों में भी खेती में इसका भरपूर इस्तेमाल हो रहा है जिसे देखते हुए केंद्र सरकार ने सोलर पैनल लगाने के अभियान को प्रोत्साहन देने के लिए अपनी वित्तीय सहायता को पांच सौ कोटि से 10 गुना कर पांच हजार कोटि करने का फैसला लिया है।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Remington
Show Details Panel: Yes
Show Error Count: Yes
Highlight Correct or Incorrect Words: Yes
Allow Back Space: Yes
Show Back Space Count: Yes